

19, 9, 14. VARĀH. BRH. S. 4, 5, 6, 11, 12, 7, 11, 23, 7, 33, 31, 98, 7, 15, 100, 1, 101, 10 (= BRH. 16, 10), 102, 5, 7, 103, 1, 6. BRĀG. P. 5, 23, 6. MĀRK. P. 33, 13. VER. in LA. (II) 13, 11. — 9) n. *Gebüsch, Dickicht* H. an. — 10) in der Stelle अथ मूलमनाकार्यं प्रकाशक्रयशोधितः । अदण्डो मुच्यते राज्ञा नाष्टिको लभते धनम् ॥ M. 8, 202 wird मूलम् von KULL. durch अस्वामी विक्रेता erklärt und von den Uebersetzern durch Verkäufer wiedergegeben. Es ist wohl विक्रयस्य aus dem Zusammenhange zu ergänzen und zu übersetzen *der Veranlasser* (des Verkaufs). — 11) n. *eine best. Stellung der Finger* (vgl. 1. मूलबन्ध): समानीय स्वामिन मूलेन प्रोक्षणं चरेत् Verz. d. Oxf. H. 103, a, 26. ध्यात्वा मूलेन तस्मै च दद्यात्पाद्यादिकं मुदा PAÑĀR. 1, 5, 6. — 12) m. Bein. Sadāciva's Verz. d. B. H. No. 1346. — 13) f. अ) *Asparagus racemosus Willd.* RĀGAN. im ÇKDR. — b) *das Sternbild Mūla ÇABDAR.* ebend. — 14) f. ई *eine kleine Hauseidechse* TRIK. 2, 5, 23. — 15) adj. f. अ) *der erste* Verz. d. Oxf. H. 56, a, 5. Vielleicht ist मूलात्ततः zu lesen. — b) = निम्न *eigen* AGĀJAPĀLA im ÇKDR. — Vgl. म्र०, अदो०, अर्कमूला, आकाशमूली, आत्म०, उन्मूल, उपमूलम्, कृष्णमूली, त्रि-क्षमूल, ज्येष्ठा०, तपो०, ताम्रमूला und ०मूला, दत्तमूल, निमूलम्, निर्मूल, पञ्च०, पाद०, पुष्कर०, बद्ध० (auch PAÑĀT. 232, 18. अर्कमूलः तुपकः SCGR. 1, 88, 10), बद्ध०, बाहु०, विष्णुमूला, भुजमूल, भूरि०, मधु०, मन्त्र०, महा०, मूलकमूला, पतोमूल, लघु०, शून्य०, स०, सरस्वती०, मौल, मौलिक, मौल्य.

मूलक (von मूल) 1) am Ende eines adj. comp. (f. मूलिका) *die und die Wurzel habend, wurzelnd in, hervorgegangen aus*: चत्वारि अश्रमाः प्रोक्ताः सर्वे गार्हस्थ्यमूलकाः MBh. 14, 1246. Schol. zu ŚĀLM. 1, 4. प्रदीपस्य हि तन्मूलकदीपात्तरस्य वा Schol. zu VP. bei CUR. ST. 4, 219, 2. Davon nom. abstr. in अय्यातिमूलकत्व Z. d. d. m. G. 7, 311, N. 1. — 2) adj. proparox. *unter dem Sternbilde Mūla geboren* P. 4, 3, 28. — 3) n. *Wurzel*: फलं वा मूलकं ह्येवा MBh. 13, 5497. वट० PAÑĀR. 1, 4, 43, 7, 68. पिप्य-ली० Verz. d. Oxf. H. 324, a, 1. — 4) proparox. = मूलप्रकारं gana स्थू-लादि zu P. 5, 4, 3. m. n. gana अर्थर्चादि zu P. 2, 4, 31. Rettig AK. 2, 4, 5, 23. H. 1190. HĀR. 101. RATNAM. 62. M. 8, 341. JĀGĀ. 1, 287. SUÇR. 1, 74, 12, 13, 132, 5, 148, 15, 137, 10, 199, 9, 2, 432, 21. KATHĀS. 20, 143, 163, 165. fg. Verz. d. Oxf. H. 324, a, 25. कालशाकम् — समूलकम् MBh. 13, 3274. HARIV. 8443. — 5) m. *ein best. vegetabilisches Gift* H. 1198. — 6) m. N. pr. eines Fürsten, eines Sohnes des Açmaka, VP. 382. fg. BRĀG. P. 9, 9, 40. — 7) f. मूलिका *Wurzel*: प्रगुणीकृते च चक्राङ्कितसकृदे-चोप्रभृत्यष्टात्तरशतमूलिकासंघाति PAÑĀT. 137, 24. — Vgl. चाणक्यमूलक, नेयाल०, पानीय०, पीत०, पुष्कर०, बद्ध०, बाल०, स०, दत्तमूलिका, धूम्र०, भूरि०, भृङ्ग०.

मूलकपर्णी (मू० + पर्णा) f. *Moringa pterygosperma Gaertn.* RATNAM. im ÇKDR.

मूलकपोतिका (मू० + पो०) f. *Rettig, Radies* NIGH. PR. SUÇR. 1, 217, 6, 219, 2, 228, 16, 2, 342, 21. Auch ०पोतो NIGH. PR. — Vgl. मूलपोतो.

मूलकमूला (मू० + मूल) f. *Lipeocercis serrata Trin.* RATNAM. im ÇKDR.

मूलकर्मन् (मूल + कर्त्) n. *Zauberei mit Wurzeln* AK. 3, 3, 4. H. 1498. HALĀ. 4, 31, v. l. M. 9, 290, 11, 63. ०कर्मक्रिया MBh. 12, 2194. — Vgl. मूलीकर्मन् und मूलकत्.

मूलकार (मूल + 1. कार) m. *der Verfasser eines Originalwerkes* Goś-ĀNDRA im SAÑKSHIPTAS. ÇKDR.

मूलकारण (मूल + का०) n. *Grundursache, die erste Veranlassung* ÇĀMĀ. zu BRH. ĀR. UP. S. 138. Verz. d. B. H. 188, 32. VID. 132.

मूलकारिका (मूल + का०) f. *Ofen* HĀR. 160.

मूलकृच्छ्र (मूल + कृ०) m. n. *eine best. Kasteiung, bei der man nur von Wurzeln sich nährt*, MIT. im ÇKDR.

मूलकृत् (मूल + कृत्) adj. *Wurzeln (als Zaubermittel) zurechtmachend* (vgl. AV. 6, 13, 3, 7, 74, 1): यः कृत्याकृन्मूलकृत्यातुधानः AV. 4, 28, 6. — Vgl. मूलिन्.

मूलकेशर (मूल + के०) m. *Citrone* RATNAM. 66.

मूलखानक (मूल + खा०) m. *Wurzelgräber* M. 8, 260.

मूलग्रन्थ (मूल + ग्रन्थ) m. *Originaltext*, Bez. der von Çākjamuni selbst gesprochenen Worte VJUTP. 178. BURN. Intr. 36, 43, 31.

मूलच्छेद (मूल + छेद) m. *das Abschneiden der Wurzeln, das Abhauen (eines Baumes) bei der Wurzel* Spr. 4360. VARĀH. BRH. S. 33, 5.

मूलज (मूल + 1. ङ) 1) adj. *aus der Wurzel schiessend*: उत्पलादपः H. 1200. *auf Baumwurzeln sich bildend*: वल्मीक Spr. 3611. — 2) n. *frischer Ingwer* RĀGAN. im ÇKDR.

मूलजाति (मूल + जा०) f. *Hauptstehungsart* H. 1201.

मूलतम (von मूल) adv. *an der Wurzel d. h. an der unteren Seite* LĀṬ. 4, 1, 7. KAUC. 69. TBR. 3, 3, 1, 3. ऊर्ध्वम्, मू०, मध्ये *oben, unten, in der Mitte* SĀMĀBJAK. 54. आ मू० *von der Wurzel an* RĪ. 6, 16. *von Anfang an* (Jmd Etwas erzählen) KATHĀS. 12, 191. VID. 130.

मूलत्रिकोण (मूल + त्रि०) n. *Bez. des 5ten astrologischen Hauses* VARĀH. BRH. 22, 1. Ind. St. 2, 286, N. 1. Verz. d. Oxf. H. 330, b, 15, 22, 29.

मूलत्व (von मूल) n. *das Wurzel-Sein, das Bilden des Ausgangspunktes*: प्रकृतेः कुस्म. 19, 19. *tन्मूलत्वात्प्रजानां तु राजा स्कन्ध इति स्मृतः der König wird als Stamm bezeichnet, weil die Unterhanen seine Wurzeln sind*, KĀM. NĪRIS. 16, 37. *वेदमूलत्वनिराकरणं n. das Bestreiten, dass der Veda die Wurzel, die Quelle sei*, MÜLLER, SL. 103. fg. ०मूलत्व als nom. abstr. eines adj. comp. auf मूल, z. B. अर्द्धमूलत्व *der Zustand dessen, dem die Wurzeln noch nicht gewachsen sind*, MĀLAY. 8.

मूलदेव (मूल + देव) m. = मूरदेव KĀÇ. zu P. 8, 2, 18, Vārtt. 2. Bein. Kaṁsa's (vgl. मूलभद्र) TRIK. 2, 8, 23. HĀR. 32. N. pr. des Mörders von Sumitra, dem Sohne Agnimitra's, HALL in der Einl. zu VĪSAYAD. 33. N. pr. eines Autors Verz. d. Oxf. H. 101, a, 35. Verz. d. B. H. No. 1006.

मूलद्रव्य (मूल + द्र०) n. *Kapital* H. 869. — Vgl. मूलधन, मूलवित्त.

मूलद्वार (मूल + द्वार) n. *Hauptthür* VARĀH. BRH. S. 33, 82.

मूलद्वारवती (मूल + दा०) f. *das ursprüngliche —, alte Dvāravati oder der ältere Theil der Stadt* DV. Verz. d. Oxf. H. 149, a, 18. — Vgl. लघुद्वारवती und मूलनगर.

मूलधन (मूल + धन) n. *Kapital* AK. 2, 9, 10. — Vgl. मूलद्रव्य, मूलवित्त.

मूलधातु (मूल + धातु) m. *Lymph* H. 620.

मूलनगर (मूल + न०) n. *Altstadt* (Gegens. Forstadt/शाखानगर) AK. 2, 2, 1.

मूलनाश (मूल + नाश) m. N. pr. eines Barbiers DUĪRTAS. 94, 11, 93, 14. ०नाशक 94, 12, 14, 15, 93, 1, 8, 17.

मूलनिकृत्तन (मूल + नि०) adj. f. ई *die Wurzel abhauend* so v. a. *vollständig vernichtend*: कर्म० PAÑĀR. 1, 4, 19. Verz. d. Oxf. H. 20, b, 8.

मूलपत्र (मूल + पत्र) Verz. d. Oxf. H. 89, a, 15.